



व्यापार की योजना
पर
आय सृजन गतिविधि बैग



वीएफडीएस नाम	मथुतार
स्वयं सहायता समूह	माँ बगलामुखी
श्रेणी	नगरोटा सूरियां
विभाजन	देहरा

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं
आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	3
2.	SHG/CIG का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण	6
5.	बाजार की संभावनाएं-	6
6.	कार्यकारी सारांश-	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-	7
8.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-	7
9.	उत्पादन योजना का विवरण-	8
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11।	स्वोट अनालिसिस	8-9
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	9-11
13.	लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)	11
14.	निधि प्रवाह व्यवस्था	11
15.	निधि के स्रोत	11-12
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	12
18.	बैंक ऋण चुकौती	13
19.	निगरानी विधि	13
20.	टिप्पणी	13
21.	समूह के सदस्यों की तस्वीरें	14
22.	समूह फोटो	14
23.	संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र	15
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

एसएचजी का नाम: गाँ-बगलामुखी वीएफडीएस: मथुतार रेंज: नगरोटा सूरियां वन प्रभाग: देहरादून

1 परिचय-

बैग बनाना एक आय सृजन गतिविधि है जिसे माँ बगलामुखी स्वयं सहायता समूह द्वारा अपनाया गया है, जो नगरोंटा सूरियाँ रेंज और देहरा संभाग के ग्राम स्वरोजगार विकास केंद्र गठुत्तर के अंतर्गत आता है। बैग बनाने के विभिन्न प्रकार उपलब्ध हैं जैसे स्कूल बैग, यात्रा बैग, कैरी बैग, स्लिंग बैग, लैपटॉप बैग और भी बहुत कुछ। ये सभी बैग अलग-अलग सामग्री से सिलाई करके बनाए जाते हैं। बैग की माँग साल भर रहती है और हर उम्र के लोग इनका इस्तेमाल करते हैं।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना के तहत 15/9/2022 को विभिन्न आयु वर्ग की 9 महिलाओं का एक समूह एक एसएचजी बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपने आईजीए के रूप में लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद इस आय सृजन गतिविधि (IGA) में शामिल होने के लिए। माँ बगलामुखी स्वयं सहायता समूह ने सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में चुना है। इसमें 9 महिलाएँ शामिल हैं। परियोजना से सहायता मिलने के बाद समूह उच्च गुणवत्ता वाले बैग बनाना शुरू करेगा। परियोजना उन्हें इस कौशल को विकसित करने और पेशेवर बनने के लिए आवश्यक धन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके सहयोग करेगी। वे विभिन्न प्रकार के बैग बना पाएँगी और बनाना स्वयं स्वतंत्र और उत्पन्न इस स्वयं सहायता समूह की विस्तृत व्यावसायिक योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1. SHG/CIG नाम	माँ बगलामुखी
2. वीएफडीएस	गधुतार
3. श्रेणी	नगरोटा सूरियां
4. विभाजन	देहरादून
5. गाँव	गधुतार
6. अवरोध पैदा करना	हरिपुर
7. ज़िला	कांगड़ा
8. SHG में सदस्यों की कुल संख्या	09
9. गठन की तिथि	08-09-2022
10. बैंक खाता संख्या और IFSC कोड	50100577784610
11। बैंक विवरण	एचडीएफसी
12. SHG/CIG मासिक बचत	100 रुपये
13. एक महीने में कुल बचत	900 रुपये
14. कुल अंतर-ऋण	-
15. नकद क्रेडिट सीमा	1%
16. पुनर्भुगतान स्थिति	-



3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक ।	नाम	एम/ए फ	पिता/पति का नाम	आयु	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	शकुंतला देवी	एफ	ओम प्रकाश के बिना	63	प्रधान	8894984142
2	सुदेश कुमारी	एफ	W/O अशोक कुमार	42	सचिव	8894098173
3	राज कुमारी	एफ	W/O तिलक राज	44	कोषाध्यक्ष	8894152655
4	सुधा देवी	एफ	सुखदेव के साथ	45	सदस्य	8894984142
5	सुमन लता	एफ	विपिन कुमार के साथ	39	सदस्य	8219649523
6	रेखा देवी	एफ	पिरथी पाल के साथ	41	सदस्य	7807382278
7	अनीता देवी	एफ	W/O राजेश कुमार	40	सदस्य	8679490329
8	मंजू बाला	एफ	W/O अजय कुमार	33	सदस्य	6230175482
9	यशोदा देवी	एफ	W/O अशोक कुमार	51	सदस्य	9805205536

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	65 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	3 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	हरिपुर & 5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	नगरोटा सूरियां & 11 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	नगरोटा सूरियां-11 किमी, जवाली-35 किमी
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	नगरोटा सूरियां, हरिपुर, जवाली

5. बाजार की संभावनाएं-

बैग बनाने का हुनर सीखने के बाद, यह सिद्ध महादेव स्वयं सहायता समूह अपने क्षेत्र और आस-पास के गाँवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेज़ी से हो रहे बदलाव के साथ, बाज़ार में अपार संभावनाएँ हैं और नवीनतम डिज़ाइन वाले बैग की माँग साल भर बनी रहेगी।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किया गया गाँव-नगरोटा सूरियां
2	उत्पाद की माँग	पूरे समय the वर्ष उच्चमाचै माँग बनी जब स्कूल रहती है।
3	प्रक्रिया का पहचान का बाज़ार	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों से संपर्क करेंगे/ घरों/संस्थानों.
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/दुकानदारों/संस्थाओं से सीधे ऑर्डर (समूह स्तर पर) लेंगे।
5	उत्पाद ब्रांडिंग	माँ बगलामुखी बैग
6	उत्पाद "नारा"	"माँ बगलामुखी" बैग-गुणवत्ता में सर्वोत्तम"

एसएचजी: मां-बगलामुखी वीएफडीएस: गधुतर रेंज:नगरोटा-सूरियां वन प्रभाग: देहरा

6. कार्यकारी सारांश-इस स्वयं सहायता समूह द्वारा बैग निर्माण आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह आईजीएइस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा प्रतिवर्ष संचालित की जाएगी। आस-पास के बाज़ार में स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग की अच्छी-खासी माँग है। कई बैठकों के बाद, समूह ने अंततः यह निर्णय लिया है कि आस-पास के बाज़ारों में बैगों की माँग को ध्यान में रखते हुए, यह गतिविधि निश्चित रूप से समूह के लिए धन कमाने का एक ज़रिया बनेगी। सदस्यों के बीच कार्य-विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है ताकि प्रत्येक सदस्य समूह को मज़बूत बनाने में योगदान दे सके और उनकी जेब में अतिरिक्त धन आए।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	स्कूल बैग, हैंडबैग, यात्रा बैग और कैरी बैग
2	उत्पाद-पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा संख्या के बाद निर्णय लिया गया हैगंभीर बैठकें.
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

- समूह में कुल 9 सदस्य हैं। समूह के लगभग सभी सदस्य प्रतिदिन केवल 4 घंटे काम करेंगे क्योंकि उनके पास खेती और घरेलू काम भी हैं। वे सप्ताह में 6 दिन काम करेंगे। इस प्रकार, हम कह सकते हैं कि समूह के सदस्य मासिक 900 घंटे काम करेंगे।
- समूह शुरुआत में प्रतिदिन 9 बैग बनाएगा, बाद में अनुभव के साथ वे संख्या 10 से 15 तक बढ़ा सकते हैं। एक महीने में, समूह लगभग 375 बैग बनाएगा।
- धारणा/अनुभव के आधार पर प्रत्येक बैग का निर्माण सामग्री का उपयोग करके किया जाएगा अर्थात् मैटी कपड़ा, ज़िप, ताले, स्टिकर, तार कवरिंग आदि; इनकी कीमत बैग के प्रकार और आकार पर निर्भर करेगी। हम कच्चे माल की कीमत 100 रुपये से 500 रुपये के बीच मान सकते हैं।
- एक सदस्य के एक माह में कुल कार्य घंटे (कुल कार्य दिवस 25 और प्रतिदिन 4 घंटे होंगे) 100 घंटे (25 दिन × 4 घंटे) होंगे और स्वयं सहायता समूह के 9 सदस्यों के एक माह में कुल कार्य घंटे 900 घंटे (25 दिन) होंगे। पूरे समूह के लिए

एक माह में कुल श्रम दिवस 113 दिन (900÷8) होंगे। श्रम लागत ₹39550 (113×350) होगी।

एसएचजी का नाम: माँ बगलामुखी वीएफडीएस: मधुतर रेंज: नगरोटा-सूरियां

वन प्रभाग: देहरादून

9. उत्पादन योजना का विवरण-

1	प्रति चक्र उत्पादन (माह)	1 महीना=375 बैग
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं (रोटेशन पर) (एसएचजी सदस्यों द्वारा तय किए गए आधार प्रति माह)
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित बैग उत्पादन	प्रतिदिन 10-15 बैग

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से, स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और ज़िम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच कार्य का बंटवारा उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

11. स्वोट अनालिसिस-

❖ ताकत-

- 🕒 कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
- 🕒 विनिर्माण प्रक्रिया सरल है।
- 🕒 उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- 🕒 उत्पाद का अर्ध-आयु लंबा है।
- 🕒 कमजोरी-
- 🕒 कच्चे माल पर निवेश करने तथा उत्पाद की बिक्री की प्रतीक्षा करने के लिए समूह के पास आरक्षित निधि की कमी।
- 🕒 व्यवसाय की सफलता के संबंध में समूह के सदस्यों में आत्मविश्वास की कमी।
- 🕒 वर्तमान में स्थानीय व्यापारियों द्वारा आयातित फैक्ट्री-निर्मित बैगों के साथ उच्च प्रतिस्पर्धा है।

❖ अवसर-

- 🕒 इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।
- 🕒 बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर मौजूद हैं।
- 🕒 पूरे वर्ष मांग बनी रहती है।

एसएचजी का नाम: माँ बगलामुखी VFDS: गधुतार

श्रेणी: नगरोटा-सूरियान

वन प्रभाग: देहरादून

❖ खतरे/जोखिम-

- ❖ समूह के सदस्यों में संघर्ष का खतरा।
- ❖ कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
- ❖ प्रतिस्पर्धी बाजार.

12. अर्थशास्त्र का विवरण-

A. पूंजीगत लागत				
क्रमांक।	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	माँ बगलामुखी बैग बनाने की मशीन (95T10) मोटर और स्टैंड के साथ	09	8400	75600
3	लकड़ी की काउंटर टेबल	1	3000	3000
4	चटाई	2(8×10)	3000	6000
5	अलमारी	1	12000	12000
6	टूल किट	9	250	2250
7	कुर्सियाँ	2	1500	3000
कुल पूंजीगत लागत (ए) = 101850 रुपये				

बी. आवर्ती लागत					
सी नियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	मैटी कपड़ा	मीटर	170 मीटर	150	25500
2	पैराशूट फैब्रिक कपड़ा	मीटर	80 मीटर	120	9600
3	जूट का कपड़ा	मीटर	70 मीटर	120	8400
4	बैग टिकर		200	5	1000
5	कुंडे/ताला/बटन	किलोग्राम	2	1500	3000

6	हॉल किराया, और स्टेशनरी खर्च	रास	1	1500	1500
7	फोम और प्लेन प्रिंटेड अस्तर कपड़ा	माउंट.	100	120	12000
8	धागा रील 6,8,10	नम	50	50	2500
9	मशीन सुई	-	50	50	2500
11	धावक 5 और 8 नहीं	दर्जन	20	50	1000
13	तानी बैग	केजी	250	10	2500
14	चेन 5 नं.	मीटर	200 मीटर	10	2000
15	चेन 8 नं.	मीटर	180	10	1800
16	श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा				-
कुल आवर्ती लागत (बी) = 73300 रु.					

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्रमांक।	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	73300
2	पूँजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यहास	10185
कुल= 83485		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्रमांक।	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन लागत (कैरी बैग)	1	लगभग 20,60,100,130,400 रुपये
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य (स्कूल/लड़कियों के लिए कॉलेज बैग)	1	लगभग 40-80-120-300-400
3	वर्तमान बाजार मूल्य (रात्रा बैग)	.	100 150 250 400 500

13. लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
सी नि यर नहीं ।	विवरण	मात्रा
1	पूँजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यहास	10185
2	कुल आवर्ती लागत	73300
3	प्रति माह बैग का कुल उत्पादन	375 (लगभग सभी आकार 100,80,60)
4	प्रति बैग विक्रय मूल्य	150 से 500
5	आय पीढ़ी	131250
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन-आवर्ती लागत)	57950
7	सकल लाभ (शुद्ध लाभ-श्रम लागत)	18400
8	शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> ✓ लाभ होगामासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आगे के निवेश IGA के लिए किया जाएगा

14. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था-

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान 75%	एसएचजी योगदान 25%
1	कुल पूँजीगत लागत	101850	76388 (75%)	25462 (25%)
2	आवर्ती लागत	73300	-	73300
3	प्रशिक्षण	60000	60000	-
	कुल	235150/-	136388/-	98762/-

टिप्पणी:

i) पूँजीगत लागत- 75% पूँजीगत लागत परियोजना द्वारा तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की

जाएगी।

ii) आवर्ती लागत - एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

15. निधि के स्रोत-

परियोजना
समर्थन

- पूंजीगत लागत का 75%
- यदि सदस्य संबंधित हों तो परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिलाओं के लिए। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से संबंधित हैं तो परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

खरीद
मशीनों का/
उपकरण द्वारा किया
जाएगा

	<ul style="list-style-type: none">• तक 1 रुपये लाखों रुपये स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में जमा किए जाएंगे• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-ग्रेडेशन लागत• 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा यह केवल तीन वर्षों के लिए होगा। स्वयं सहायता समूहों को मूल राशि की किश्तें नियमित आधार पर चुकानी होंगी।	संबंधित डीएमयू/एफसी घन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद।
स्वयं सहायता समूह योमदान	<ul style="list-style-type: none">• सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 75% या 25% क्रमशः एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।• पूंजीगत लागत का 75% द्वारा वहन किया जाना परियोजना अमर the समूह यह महिला समूह है।• आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। प्रस्तावित/आवश्यक कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन निम्नलिखित हैं:

- ❶ लागतईप्रभावीपीखरीदहेएफकच्चासाथीरियाल
- ❷ गुणवत्तयनियंत्रण
- ❸ पैकेजिंगजीएकडीएमएरैकेटिंग
- ❹ वित्तीय प्रबंधन

17. सम-विच्छेद बिंदु की गणना-

$$\begin{aligned} &= \text{पूँजीगत व्यय} / [\text{विक्रय मूल्य (प्रति बैग)} - \text{उत्पादन लागत (प्रति बैग)}] \\ &= 101850 / (350 - 222) = 796 \text{ बैग} \end{aligned}$$

इस प्रक्रिया में 796 बैग बनाने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है, तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- ❶ सीसीएल में, स्वयं सहायता समूह के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को पूर्ण रूप से किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ❷ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ❸ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूह/सीआइजी को मूलधन की किश्तें नियमित आधार पर चुकानी होंगी।

19. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ❶ आकारईहेएफवाईजीसमूह
- ❷ मज़ाडीप्रबंधनी
- ❸ निवेश
- ❹ आयजीनराशन
- ❺ उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणी

सदस्य निम्न आय वर्ग से हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा।

21. समूह के सदस्यों की व्यक्तिगत तस्वीरें



22) समूह फोटो: -



द्वारा तैयार:

श्री मदन लाल शर्मा (सेवानिवृत्त
एचपीएफएस) सुश्री दीक्षा (एसएमएस)

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group Ma. Baglamuti Held on 08/09/2022 at Grothutte
that our group will undertake the Bagmatex as livelihood Income Generation Activity
under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems management &
Livelihoods (JICA Assisted).

21 gnd m

Signature of Group Pradhan

Suresh Kumar

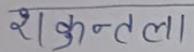
Signature of Group Secretary

Business Plan Approval by VFDS & DMU

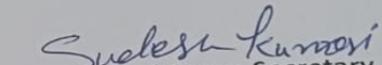
...Maa Baglamuhi..... Group will undertaken the Bagmaber.....as livelihood income Generation Activity under the Project for implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management and livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs.101850/-..... has been submitted by group on16-12-2021..... And the business plan has been approved by the VFDS...Gadhuta.....

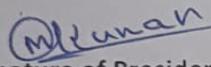
Business Plan is submitted through FTU for further action please.

Thank you



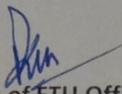
Signature of Group President

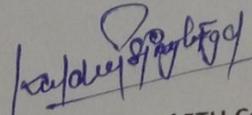

Signature of Group Secretary


Signature of President VFDS
Manjeet kumar


Approved
DFO
DMU-CUM-Dehra

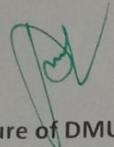
Submitted to DMU through FTU


Name & Signature of FTU Officer
Range Forest Officer
Nagrota Surian (H.P.)


Name & Signature of FTU Coordinator

Kuldeep Singh Forest Guard
I/c Bilaspur Beat

Approved


Name & Signature of DMU Officer